

Demand for early setting up of an AIIMS-like hospital in Tamil Nadu

SHRI T. RATHINAVEL (Tamil Nadu): Recently, the Centre has announced its decision to establish an All India Institute of Medical Sciences in each State in the country in a phased manner. In this connection, hon. Chief Minister of Tamil Nadu has received a letter from the Union Minister of Health requesting the State Government to identify suitable alternative locations for setting up a new AIIMS in the State. The Tamil Nadu Government has already identified the required extent of land at Chengalpattu in Kanchipuram District, Pudukkottai town in Pudukkottai District, Sengipatti in Thanjavur District, Perundurai in Erode District and Thoppur in Madurai District where lands with suitable road connectivity are already in possession of the State Government and its agencies.

Sufficient water and electricity are also available at all the five places, which also have excellent rail and air connectivity. Establishing AIIMS in Tamil Nadu would substantially augment the facilities in the State for providing quality medical education and also make available high-end tertiary level health care in the public sector to benefit the poor and the middle classes. Tamil Nadu has a proud record of speedy implementation of such projects. Hon. Chief Minister of Tamil Nadu has written to the hon. Prime Minister on 20th July, 2014 to include Tamil Nadu in the list of States in which an AIIMS would be set up during the current financial year itself. Since Tamil Nadu was excluded in the first batch of six AIIMS set up in 2012-13, I appeal to the Centre to establish AIIMS in Tamil Nadu during the current financial year itself.

Demand for recruitment of local people at Bhilai Steel Plant

डा. भूषण लाल जांगडे (छत्तीसगढ़) : महोदय, भिलाई स्टील प्लांट के लिए आयरन ओर्स राजतरा, दल्ली और महामाया माइन्स से, जो अब समाप्ति पर हैं, बाद में दलदली कवर्धा, छोटे डोंगर-रावघाट से प्राप्त करना होगा। कच्चा माल डोसा माईट-टिरी माइन्स बिलासपुर से लाईम स्टोन नन्दनी माईन्स से प्राप्त किया जाता है। संयंत्र को काफी मात्रा में पानी गंगरेल बांध एवं अन्य बांधों से सप्लाई होता है, जिस पर किसानों की खेती का आधे से अधिक व्यय होता है। संयंत्र को एन.टी.पी.सी. से 500 मेगावाट और 36 मेगावाट बिजली स्वयं के पावर प्लांट से सप्लाई होती है। मेगनीज और कोयला में, झारखंड से कोयला और मध्य प्रदेश के बालाघाट से मेगनीज सप्लाई होती है। किसानों की हजारों एकड़ खेती की जमीन संयंत्र में लगी हुई है। पूर्व में संयंत्र में स्थानीय कामगारों की 80 प्रतिशत से अधिक भर्ती की जाती थी, लेकिन वर्तमान में सभी पदों पर अखिल स्तर पर भर्ती की जाती थी, जिससे स्थानीय इंजीनियर्स एवं कामगारों की भर्ती नहीं के बराबर होती है। स्थानीय लोग, जो बेरोजगारी में जीवन-यापन कर रहे हैं, उन्हें तकनीकी और नॉन-तकनीकी पदों पर नियुक्त किया जाना, उनके हित की बात है और यह उनका हक भी बनता है। किसानों की क्षतिपूर्ति के साथ ही वे प्रदूषण के कारण अनेक प्रकार की बीमारियों से जूझ रहे हैं, यदि उन्हें रोजगार मिल सकेगा तो उनके हित में मानवता झलकेगी। अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जाएं।